

शहर के लिए छाती पर गोली खाने को तैयार : अंकुर दुआ



राकेश व नरेश टिकैत से किया अनुरोध

मुजफ्फरनगर। जनता आभार कार्यक्रम के दौरान बुलेटिन सम्पादक अंकुर दुआ ने जनकारी देते हुए बताया कि आज ही किसान युनिन के एक दल ने बुलेटिन सम्पादक को यह कहलवाने की कोशिश की कि यदि ई-रिक्शाओं का मुद्दा जवाब उजागर किया तो उनका एक संगठन कचहरी परिसर में धरना देगा। बुलेटिन सम्पादक ने पाकिस्तान के अध्यक्ष नरेश टिकैत व प्रवक्ता राकेश टिकैत दोनों से आग्रह किया कि ऐसे दलों को वे खुद ही समाधान का काम कर लें, उन्होंने खाल खड़ा किया कि क्या पाकिस्तान से ऐसे दल अनेक रिक्शाओं को चलावने का काम भी करते हैं या ऐसे दलों का कोई हिस्सा रिक्शा वालों से बंटा हुआ है।

- ▶ व्यापारियों से एकजुट होने का आह्वान करते हुए अंकुर ने कहा: बटेंगे तो कटेंगे
- ▶ अवैध ई रिक्शा व जाम के खिलाफ अभियान व्यक्तिगत नहीं, शहर के हित में है
- ▶ आभार सभा में तमाम वर्गों के लोगों ने किया मुहिम के साथ जुड़ने का ऐलान

मुजफ्फरनगर, 7 अगस्त (बु.)। मुजफ्फरनगर बुलेटिन के संपादक अंकुर दुआ ने कहा कि वो किसी तरह का अखाड़ा नहीं चाहते हैं, मगर उनके खिलाफ साजिश की जा रही है। वो अपने खाल नहीं हैं। हो सकता है कि कोई ई रिक्शा वालों से उन पर गोली चलावा दे, मगर वो शहर की दशा सुधारने के लिए कोई भी बलिदान करने को तैयार है। अवैध ई रिक्शा बंद करने और नगर को जाम से मुक्त करने के लिए भारतीय प्रेस परिषद के सदस्य अंकुर दुआ द्वारा शुरू किए गए अभियान को लेकर आज न्यू एसडी कॉलेज मार्केट के प्रांगण में आयोजित आभार सभा में बुलेटिन संपादक अंकुर दुआ ने व्यापारियों से एकजुट होने का आह्वान करते हुए कहा कि दुकानें दुकानें गैंग में नहीं बंदना है। बटेंगे तो कटेंगे। यही एकता उन्हें चाहिए। क्योंकि आम व्यापारियों के छत्र तानने की साजिश की जा रही है, लेकिन वो चुप नहीं रहेंगे। व्यापारियों और कुछ भाजपा के नेताओं ने बेवकूफ होकर उनका साथ दिया। उन्होंने कहा कि मजबूर होकर धरने का फैसला लेना पड़ा। इससे पहले 50 बार अधिकारियों और

भाजपा नेताओं को बता दिया, लेकिन अफसोस किस्ती ने नहीं सुनी। मजबूर होकर आंदोलन का रास्ता अपनाया। धरने पर आए प्रशासन के अधिकारियों को उनके कारवाई के आह्वान पर आठ दिन का समय दिया है। इसके बावजूद कोई कारवाई नहीं होती है फिर वही तुलसी पार्क में धरना देगा। उन्होंने कहा कि शहर को उत्तम नगर बनाना है। मुझे कुछ लोग खलनायक बनाने की कोशिश कर रहे हैं। वो शहर के लिए खलनायक बनने को तैयार है। उन्होंने कहा कि यदि संगठित नहीं हुए तो जीना मुश्किल हो जाएगा और बांग्लादेश जैसे हालात होंगे। अंकुर दुआ ने कहा कि श्री राम के पटके पर धमकी दी गई है, लेकिन वो धमकी को राह नहीं छोड़ेंगे, लेकिन वो चाहते हैं कि देश में साम्प्रदायिक माहौल बना रहे, क्योंकि यही देश की बड़ी ताकत है। एक बच्चा संस्कृत खत्म करनी होगी। अर्धम के रास्ते से धन कमाना सही नहीं है। इससे परिवार का भला नहीं होगा। उन्होंने बताया कि बुलेटिन की वीडियो को 20 लाख लोगों ने देखा है। अंकुर दुआ ने कहा कि गांधी ट्रेड के पंकज जैन ने जमानत पर हनुमान जी की मूर्ति उन्हे दी थी।

उस दिन से उन्हें शक्ति मिली है, जिसके बल पर आज वो छाती पर गोली खाने को तैयार है। पंजाबी समाज के चेयरमैन सरदार सुखदरशन बेदी ने कहा कि अंकुर दुआ शहर में चाणक्य के रूप में उभरे हैं। कहते सभी है कि शहर में चलना मुश्किल है, मगर अंकुर दुआ ने ऐसी मुहिम चलाई, जिसमें सभी वर्गों के लोगों ने जुड़कर आंदोलन को नई ताकत दी। निसंदेह इसके लिए वो बहाई के पात्र हैं। गांधी ट्रेड हाउस के पंकज जैन ने कहा कि अंकुर दुआ के आंदोलन ने शहर को नई दिशा देने का काम किया है। व्यापारियों को सुधार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन किसी की रोजी रोटो छीनने के लिए नहीं था। हम सब शहर की व्यवस्था चाहते हैं। अंकुर दुआ ने कहा कि मुहिम का अर्थ शहर में अशांति नहीं है। 50 प्रतिशत समस्या हल हो गई है। उन्होंने कहा कि अंकुर जी को विधायक का चुनाव लड़ना चाहिए। सचिन मिश्राल ने कहा कि अंकुर जी को मुहिम ने शहर को संजीवनी देने का काम किया है। उन्होंने बताया कि कृष्ण गोपाल मिश्राल ने सभी का आभार जताया। रमेश साई ने आंदोलन को सफल बताया। कार्यक्रम



आभार सभा में जुटे तमाम संगठनों के बड़े चेहरे

मुजफ्फरनगर, 7 अगस्त (बु.)। व्यापारी नेता अनिल जामदेव के संबोधन में हुई सभा में बड़ी संख्या में व्यापारियों, राजनीतिक तथा सामाजिक संगठनों से जुड़े लोगों ने नगर में जाम और ई रिक्शा की समस्या को लेकर बुलेटिन संपादक अंकुर दुआ द्वारा छेड़े गए अभियान को शहर के व्यापार हित में बताया। इस मौके पर पूर्व पालिका अध्यक्ष अंजु अग्रवाल, पंजाबी समाज के चेयरमैन सरदार सुखदरशन बेदी, संसूचक अशोक बाटला, गांधी ट्रेड हाउस के पंकज जैन, संजय मिश्रा, राकेश कंसल, व्यापारी नेता कृष्ण गोपाल मिश्राल, राकेश लाम्गा, भगत सिंह रोड के व्यापारी नेता सुंदर अग्रवाल, योगेश भागत, सरदार बलविंदर सिंह, त्रिलोचन सिंह गंधी, नीतीशचरण अग्रवाल, उमादेव शर्मा, सुनील उरसव, सचिन सिंघल, एसके बिट्टू, प्रभासद अमित पट्टयटिया, संजीव लाल, दिनेश नमकीन वाले, दिनेश भागत, विजय सिंघी, पूर्व समासद प्रेमि छबड़ा, मुरारी लाल वनेजा, रमन जलोना, सुनील चावला, कान्त अरोरा, अशोक छबड़ा, महबूब आराम एडवोकेट, शरद कपूर, विजय लाम्गा, मनीष भांड, विशाल जलोना, शंकी, दीपक, विपिन संगल, विक्रम संगल, सुभाष, मेहर दंड, नेशी जी, अशोक छबड़ा, सुखबीर सिंह, मनोज शर्मा, राहुत शर्मा, विश्वाम, रमनशर्मा, अमित, बिट्टू, रमेश केरपुर, बाली, सुशीला, ललित, सावित्री, निर्मला, कुसम पाल, सोमवती, गुलशाना, मूर्ति आदि उपस्थित रहे।

दल बल समेत पहुंचे शालभ गुप्ता ने स्मृति चिह्न भेंट किया

मुजफ्फरनगर, 7 अगस्त (बु.)। व्यापारियों की आवाज व्यापार मंडल शालभ गुप्ता ने अंकुर दुआ के अभियान के समर्थन में दलबल समेत पहुंच कर उन्हें स्मृति चिह्न भेंट किया। उनके साथ जनार्दन विश्वकर्मा, दीपक मिश्राल सरांग, राजेंद्र प्रसाद गार्ग, विपिन गुप्ता, लवी गोवाल, अजय अरोरा, सनी बिराला, शिवा सिंघल, हिमायु गोवाल, विजय बाटा, राजेश भाटिया, कृष्णपाल, रोहित संगल, पंकज वाघवा, विनीत धोमान, अरविंद सेनो, गोवर्धन सिंघल, विशाल गोवाल, सुखराम खड्का, संदीप खड्का, वेद प्रकाश अरोरा, मनीष अरोरा, राजकुमार खड्का, गौतम, लालचंद मार्केट प्रधान आशीष, शांति सेना की 15 महिलाएं, शरद कपूर, सरदार गुरुबन सिंह, राजेंद्र होली एंजिन, नरेश अरोरा नेशी, राकेश कंसल, मदन लाल आहजा, नील आहजा, पंकज, वासु सुंद, आरके चण्पल वाले, सुभाष, मंदिर के पंडित, नरेश अरोरा, विजय काराग, केवल कृष्ण अरोरा, गजेन्द्र पाल पूर्व समासद नगर पालिका परिषद, सुरेंद्र शांति सेना, श्री जैन धोमप्यार मूर्ति पूजक समिति के राहुत जैन, प्रमोद जैन, मित्रवत, राहुत गोवाल, विजय सिंघी, अशोक छबड़ा, शालभ गुप्ता, जनार्दन विश्वकर्मा, जनार्दन विश्वकर्मा, विजय बाटा, गिरीश पाहजा, सुनील उरसव, अशोक डूडा, इन्द्रजीत जयसूर, प्रेमप्रकाश अरोरा, अशोक वासलमनीम नामदेव आदि व्यापारी उपस्थित रहे।

प्रेमपुरी में बंदों का आतंक, मुक्ति दिलाने की बुलेटिन से गुहार

मुजफ्फरनगर, 07 अगस्त (बु.)। तमाम प्रवासों के बावजूद पालिका प्रशासन नगरीय क्षेत्र में बड़ रहे बंदों के आतंक से मुक्ति की दिशा में कोई कदम उठाने में सफल साबित नहीं हो रहा है, जिससे लोगों में आक्रोश तेजी से बढ़ता जा रहा है। बीते दिनों नगर की अतिमंगल, जाम और अवैध ई-रिक्शाओं जैसी ज्वलंत समस्याओं को लेकर 28 घंटों के धरने को लेकर चर्चाओं में आए बुलेटिन संपादक के समर्थन अथवा जनसमस्याओं को लेकर शिकवतें आने लगीं हैं। कुचक्र को इन्होंने शिकवतों के क्रम में प्रेमपुरी मौलविया सुधार समिति के माध्यम से प्रेमपुरी में बंदों के हर और बंदों पर आतंक से मुक्ति दिलाने की मांग उठी। प्रेमपुरी मौलविया सुधार समिति के संरक्षक डॉ. ओमपाल सिंह वर्मा के नेतृत्व में मुजफ्फरनगर बुलेटिन संपादक के नाम भेजे गए इस पत्र में मौलवियासियों ने बताया कि क्षेत्र में बंदों का अब आतंक बड़ रहा है, जिसमें गली व आम रास्तों में सैकड़ों की संख्या में उक बंदर बेवकूफ इधर से उधर घूमते दिखाई दे जाते हैं। यही नहीं इन बंदों के आतंक से घर की महिलाओं व बच्चों का घर की छतों पर जाना पूरी तरह से बंद हो गया है, वहीं क्षेत्र के कई बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को उक बंदर अब तक अपना शिकार बना चुके हैं। उनका कहना है कई बार बंदों को पकड़ने की मांग करते हुए अधिकारियों से मांग की जा चुकी है, लेकिन समस्या का कोई भी समाधान अब तक नहीं निकला है। क्षेत्र के लोगों ने बुलेटिन के संपादक अंकुर दुआ के माध्यम से जनपद के जिलाधिकारी से मांग की कि वे क्षेत्र को उक समस्या को पूर्ण कराने की कृपा करें। इस दौरान मुख्य रूप से प्रवीण गुप्ता, डॉ. आर्देक वशिष्ठ, ओपी मिश्रा, विकास बिट्टू, ओमवीर करपय, पंकज बंसोवाल, रामपाल सिंह, सुरेंद्र सिंह, शिव चण्ण, गंगाधर जैन आदि मौजूद रहे।

समाचार पत्र में स्थान पर्याप्त न होने के कारण जनता आभार के कुछ फोटो कल के अंक में प्रकाशित किए जाएंगे।



विनेश फोगाट के बाहर होते ही भारत की उम्मीदों को लगा बड़ा झटका

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसी)। विनेश फोगाट का वजन 100 ग्राम अधिक हो जाने के कारण उन्हें ओलंपिक क्वॉलीफायर का फाइनल में खेलने से अयोग्य करार दे दिया गया। विनेश फोगाट से ओलंपिक स्वर्ण पदक की उम्मीद कर रहे देश के 140 करोड़ लोगों को भारी झटका लगा है। प्रथममंती नरेंद्र मोदी ने खेलेट कर विनेश को अभी भी देश का असली चैंपियन होने की बात कही है। लेकिन सभी लोग यह जानकर हैरान हैं कि ओलंपिक खेलों के लिए बेहद कड़ी ट्रेनिंग से गुजरने वाली विनेश फोगाट और उनकी टीम से यह गड़बड़ी कैसे हो गई? विनेश फोगाट का वजन अब तक विक्रमल सरी रेंज में चल रहा था, फिर यह अचानक बड़ कैसे गया? क्या फोगाट और उनकी टीम को इसकी जानकारी हो गई थी और क्या इसे टांक करने की कोशिश की गई थी? सूत्रों की मान तो विनेश फोगाट और उनकी टीम को इस खतर की जानकारी एक दिन पहले ही हो गई थी। वजन को नियंत्रित करने के लिए टीम ने कड़ी एक्सरसाइज करने के साथ-साथ कई अन्य प्रयास भी किए थे, लेकिन अंततः वे इसमें सफल नहीं हो पाए और फोगाट को इसका नुकसान उठाना पड़ा।

कलयुगी पिता ने भाई-बहन को दूध में दिया जहर

बुढ़ाना, 7 अगस्त (बु.)। एक कलयुगी पिता ने अपनी पत्नी और एक बेटे के साथ मिलकर मायके आई अपनी एक शहीदिया पुत्री और अविवाहित पुत्र को दूध में जहर डालकर पिता और उनकी हला करने का प्रयास किया, जिसमें बहरीले दूर के सेवन के बाद दोनों भाई बहन की हालत खराब हो गयी। श्व चिकित्सकों ने दोनों की हालत गंभीर देखकर उन्हें जिला चिकित्सालय के लिए रेफर कर दिया, जहां पर दोनों को आईसीयू में रखा गया है और दोनों की हालत गंभीर बनी है। मिली जानकारी के अनुसार बुढ़ाना कोतवाली की तहसील कालीनी के पीछे रहने वाले बाबू कुरेशी ने अपनी एक बड़ी पुत्री 28 वर्षीया बनी की शादी बुढ़ाना कोतवाली क्षेत्र के उमरपुर गांव में गुलजार से की हुई है। वह उमरपुर गांव से अपने पीछर आई हुई है। उसका पिता उसके छोट भई 23 वर्षीय उमर की शादी नहीं कर रहे हैं, जिसको लेकर बनी अपने पिता बाबू, मां और एक छोटी बहन का अक्सर विरोध करती आ रही थी, जबकि तीनों ही कुछ महीनों से उसकी शादी में रोड़ा बने हुए हैं। अभी कुछ दिन पहले बाबू पर कुछ पैसा आया था, तो आने वाली ने अपने पिता पर भाई उमर की शादी करने पर अंगर दिया, तो बाबू ने सुबह के समय नाश्ते में दूध में दूध में चुचाप जहर मिला दिया। तब दोनों भाई बहन ने वह जहरौला दूध पी लिया। कुछ देर बाद दोनों की हालत बिगड़ गयी, तो बाबू अपनी पत्नी व पुत्री को लेकर फरार हो गया। पड़ोसियों को कुछ शक हुआ, तो उन्होंने अंतर्जाल देखा कि दोनों भाई बहन जमीन पर पड़े हुए लड़क रहे हैं, तो उन्होंने किसी अहमती की आशंका जताते हुए पुलिस को फोन कर दिया। तब पुलिस ने मौके पर आकर दोनों भाई-बहन को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बुढ़ाना में भर्ती कराया और एडमिशन से उक घटना की पूरी जानकारी ली। उधर गंभीर हालत में यहां के चिकित्सकों ने दोनों भाई बहन को जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया।



भोपा पुलिस ने तीन बदमाशों को लंगड़ा कर किया गिरफ्तार

भोपा, 7 अगस्त (बु.)। इर्द माह पूर्व क्षेत्र में हुई लूट की घटना का अंजाम देने वाले चार शांति बदमाशों को पुलिस ने नन्हेड़ा-बसेड़ा मार्ग पर मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया, जिनमें घायल हुए तीन बदमाशों को अस्पताल भेजा गया है। चौथे बदमाश से पुलिस पूछताछ करने में जुटी हुई है। गिरफ्तार बदमाशों पर जनपद सहित गैर जनपद के थानों में संगीन अपराधों में मुकदमे दर्ज बताते रहे हैं। भोपा पुलिस ने बुधवार को दोपहर नन्हेड़ा-बसेड़ा मार्ग पर चार बदमाशों को घेर लिया। बदमाशों ने नजदीक आता देख पुलिस टीम पर फायर शूट किया। जवाबी फायरिंग में पुलिस ने तीन बदमाशों के दोनों पैरों में गोली मारकर घायल कर गिरफ्तार कर लिया तथा चौथे बदमाश दीपक पुत्र देशपाल करपय निवासी गांव दरगाहपुर थाना शिक्षाना को बिना घायल किये ही घर दबोका। घायल बदमाशों की

पहचान रवि कुमार पुत्र राजपाल निवासी गांव बरुकी थाना भोपा, बाबू पुत्र तरसपाल करपय निवासी गांव दुल्हेरा थाना शाहपुर, सोनू पुत्र राजवीर निवासी लोकोपुरा उत्तरी कस्बा भोकरहेड़ी थाना भोपा के रूप में हुई है। मुठभेड़ के दौरान पुलिस ने मौके से 4,500 रुपये की नकदी सोने के कुंडल, सोने का ओम लिखा लोकेट, चार मोटरसाइकिल चार तमंचे जिंदा व खोबा कारतूस बरामद किये हैं। बदमाशों ने बीते 24 जून की देर शाम गादला-बसेड़ा मार्ग पर राजबहाई की पुलिस के पास गादला निवासी जनसेवा केंद्र संचालक फहीम व उसके दोस्त शोबक के साथ उस समय लूट की घटना को अंजाम दिया था, जब वह देर शाम बसेड़ा से मोबाइल खरीदकर वापस गांव लौट रहे थे। बदमाशों ने दोनों दोस्तों के साथ मारपीट करते हुए। मोटरसाइकिल, मोबाइल व पचास हजार की नकदी को छीन लिया था, वहीं सिंचाई करने खेत पर आए किसान को भी रस्सी से बांधकर तीन सौ रुपये छीन लिये थे। बदमाश लूट की दो घटनाओं की अंजाम देकर मौके से फरार हो गये थे। घटना के बाद पुलिस को भारी फजीलत का सामना करना पड़ा था। आमतौर के खिलाफ मुकदमे दर्ज कर तभी से पुलिस घटना के खुलासे के प्रयास में जुटी हुई थी। थाना प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार ने बताया कि चारों बदमाशों का पूरा नाम भी अपराधिक इतिहास है, जिन पर विभिन्न थानों में अनेक मुकदमे दर्ज हैं।

भोपा पुलिस ने तीन बदमाशों को लंगड़ा कर किया गिरफ्तार

